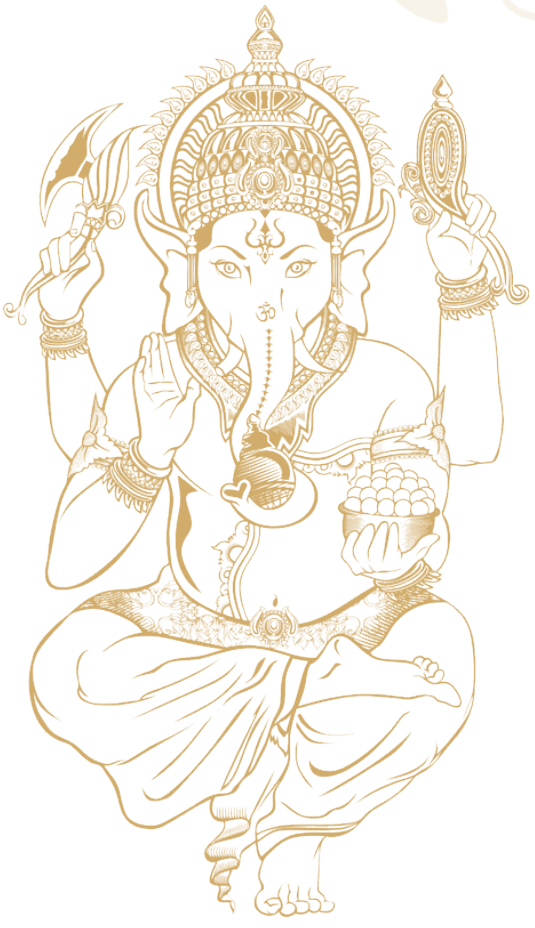

Shreyansh Kumar Dwivedi

Shalu Pandey

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120990802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26-27/04/1998	जन्म तिथि	28-29/01/1999
रवि-सोमवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 01:00:00	जन्म समय	02:28:00 घंटे
घटी 49:12:18	जन्म समय(घटी)	49:44:05 घटी
India	देश	India
Gaya	स्थान	Deoghar
24:48:00 उत्तर	अक्षांश	24:31:00 उत्तर
85:00:00 पूर्व	रेखांश	86:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:10:00	स्थानिक संस्कार	00:16:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:19:04	सूर्योदय	06:27:07
18:17:04	सूर्यास्त	17:25:14
23:49:53	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:30

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 14वर्ष 3मा 10दि	17:29:22	मक	लग्न	वृश्चि	16:05:37	राहु 15वर्ष 5मा 21दि
चन्द्र	12:31:43	मेष	सूर्य	मक	14:38:51	गुरु
07/08/2018	17:08:50	मेष	चंद्र	मिथु	08:32:11	21/07/2014
06/08/2028	16:22:38	मेष	मंगल	तुला	07:06:52	21/07/2030
चन्द्र 07/06/2019	17:40:05	मीन	बुध	मक	10:15:34	गुरु 07/09/2016
मंगल 06/01/2020	24:53:00	कुंभ	गुरु	मीन	02:58:33	शनि 22/03/2019
राहु 07/07/2021	28:21:23	कुंभ	शुक्र	कुंभ	06:24:07	बुध 27/06/2021
गुरु 06/11/2022	01:11:47	मेष	शनि	मेष	03:45:33	केतु 03/06/2022
शनि 06/06/2024	15:05:30	सिंह व	राहु व	कर्क	28:19:13	शुक्र 01/02/2025
बुध 06/11/2025	15:05:30	कुंभ व	केतु व	मक	28:19:13	सूर्य 20/11/2025
केतु 07/06/2026	18:44:02	मक	हर्ष	मक	18:40:28	चन्द्र 22/03/2027
शुक्र 05/02/2028	08:18:56	मक	नेप	मक	08:15:40	मंगल 26/02/2028
सूर्य 06/08/2028	13:40:04	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	16:06:26	राहु 21/07/2030

लग्न-चलित

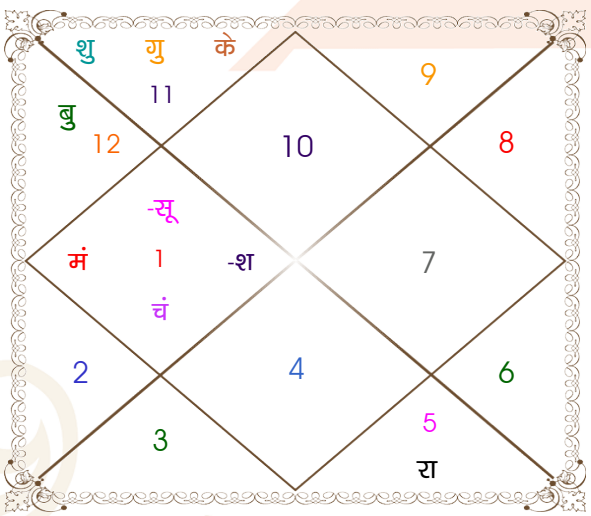

लग्न-चलित

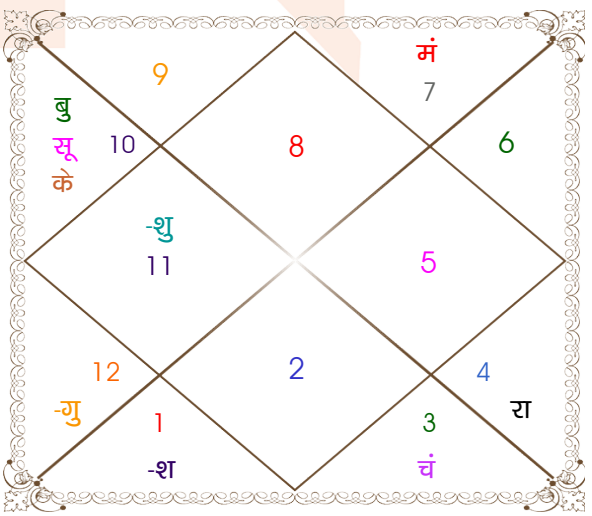

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

ौतमलंदी ज्ञनउंत कूपअमकप का वर्ग मृग है तथाौंसन च्ंदकमल का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारौतमलंदी ज्ञनउंत कूपअमकप औरौंसन च्ंदकमल का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ौतमलंदी ज्ञनउंत कूपअमकप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल ौतमलंदी ज्ञनउंत कूपअमकप कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ौतमलंदी ज्ञनउंत कूपअमकप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र ौतमलंदी ज्ञनउंत वूपअमकप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ौसन च्ंदकमल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ौसन च्ंदकमल कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ौसन च्ंदकमल कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ौतमलंदी ज्ञनउंत वूपअमकप तथा ौसन च्ंदकमल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।